राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

सूर्यास्त 07:28 | सूर्योदय 05:32
तापमान
अधिकतम 41° | न्यूनतम 30°

वर्षः 07 | अंकः 18 | पृष्ठः 04 | मूल्यः ₹1.00

info@hindustanekta.com

कैथल, शनिवार 11 जुलाई, 2026

RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे

वॉट्सएप कर सकते हैं

9499422208

हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

मानसून का कहर: उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से 1000 यात्री फंसे

- यूपी-बिहार में बारिश-बिजली से 13 की मौत
- दिल्ली में 24 घंटे में 160 मिमी बारिश से जलभराव
- उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे का 100 मी. हिस्सा बहा

एजेंसी » नई दिल्ली

मानसून के पूरे देश को कवर करने के बाद कई राज्यों में बारिश जारी है। दिल्ली में लगातार बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया। तुखमीरपुर में 24 घंटे में 160 मिमी बारिश हुई। विकास मार्ग, संगम विहार, द्वारका, मुनीरका, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन समेत कई जगहों पर सड़कें डूब गई। गाजीपुर मंडी और आसपास का इलाका पानी में डूब गया। कार पर पेड़ भी गिरा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में शुक्रवार को यमुनोत्री हाईवे 100 मीटर बह गया। इससे करीब 1000 यात्री फंसे हैं। पिथौरागढ़ में आदि कैलाश मार्ग चट्टानें गिरने से बंद है।

हरिद्वार में सड़कों पर 3-4 फीट पानी भर गया। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को 30 शहरों में बारिश हुई। बारिश से जुड़े अलग-अलग हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। बुलंदशहर में मस्जिद की पुरानी दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 लोगों की जान गई। हरदोई में 2 बहनें नदी में बह गईं। वहीं, बिहार के गोपालगंज में बिजली गिरने से एक की मौत हो गई। राजस्थान के धौलपुर में बारिश के चलते मकान ढह गया और 6 लोग मलबे में दब गए। राज्य में 6 ट्रेनें कैंसिल हुई हैं। कई ट्रेनें लेट भी हैं।

कुरुक्षेत्र में करंट लगने से 2 सगे भाइयों की मौत: बचाने आया बेटा गंभीर

कुरुक्षेत्र » गांव धनतोड़ी में शुक्रवार को बरसात के दौरान ट्रांसफार्मर की तार में करंट आने से एक ही परिवार के 3 लोग इसकी चपेट में आ गए। तीनों को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें से 2 सगे भाइयों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी बिंदर राम (पुत्र मनीराम) सबसे पहले करंट की चपेट में आया। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण ट्रांसफार्मर की बिजली की तार में करंट फैल गया था। जैसे ही बिंदर राम इसकी चपेट में आया तो उसे बचाने के लिए उसका भाई नाथी राम दौड़ा। जैसे ही उन्होंने बिंदर राम को छुड़ाने की कोशिश की, वो भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों को तड़पता देख नाथी राम का 35 वर्षीय बेटा लाडी उन्हें बचाने के लिए आगे आया। उसने जैसे ही अपने पिता और ताऊ को छुड़ाने की कोशिश की, वह भी करंट की चपेट में आ गया।

पद्म पुरस्कार-2027 के लिए 31 जुलाई तक करें नामांकन

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि भारत सरकार के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं 31 जुलाई 2026 तक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक कार्य, लोक सेवा, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं। डीसी ने कहा कि नागरिक स्वयं भी योग्य व्यक्तियों का नामांकन कर सकते हैं। विशेष रूप से समाजसेवी, शिक्षक, कलाकार, वैज्ञानिक, किसान, हस्तशिल्पी, नवप्रवर्तक तथा पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के नाम भेजने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार-2027 के लिए नामांकन विंडो 15 मार्च 2026 से खुली है और 31 जुलाई 2026 तक आवेदन किए जा सकते हैं।

ऑपरेशन हार्डबॉल...

लॉरेंस पर शिकंजा कसने में भारतीय एजेंसियों ने की अमेरिका की मदद

नई दिल्ली » अमेरिकी जांच एजेंसी द्वारा चलाए गए ऑपरेशन हार्डबॉल के दौरान भारत में कई केंद्रीय एजेंसियों ने जानकारी साझा की थी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में बताया गया कि FBI की बातचीत भारतीय जांच एजेंसियों से हुई। जिससे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा, भगवानपुरिया और कई सहयोगियों के बारे में जानकारी मिली और पुष्टि की गई। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय एजेंसियों ने सक्रिय गैंगस्टरों की सूची और सबूत शेयर किए। जिससे पिछले करीब एक-डेढ़ महीने में बैठकों में तेजी आई।

न्यूज ब्रीफ

शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी, बोलीं- मेरी हत्या हो सकती है, फिर भी लौटूंगी

कैथल » बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अवामी लीग के दूसरे निर्वासित नेताओं के साथ दिसंबर के आसपास स्वेच्छा से बांग्लादेश लौटना चाहती हैं, भले ही उन्हें वहां पहुंचने पर गिरफ्तारी या मौत का सामना करना पड़ सकता है। 78 वर्षीय नेता, जो अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद भारत चली गई थीं, जिसके कारण उनकी सरकार गिर गई थी, ने कहा कि लौटने पर वह अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने की योजना बना रही हैं। उन्होंने आगे साफ़ किया कि तय कार्यक्रम के अनुसार घर लौटने को लेकर ढाका में मौजूद मौजूदा अधिकारियों से कोई बातचीत नहीं हुई है। शेख हसीना ने कहा मेरे लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, यहाँ तक कि मेरी हत्या भी कर सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही है।

आर्थिक बाधा नहीं बनेगी पढ़ाई में रुकावट

- यशस्वी छात्रवृत्ति योजना से विद्यार्थियों को मिलेगा संबल

कुरुक्षेत्र » क्षत्रिय राजपूत सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने प्रधान मोहन राणा चनालहेड़ी के नेतृत्व में जिंदल हाउस पहुंचकर सांसद कार्यालय की योजनाओं की जानकारी ली। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कार्यकारिणी को तिरंगा भेंट कर शुभकामनाएं दीं। सभा ने सांसद नवीन जिंदल की यशस्वी छात्रवृत्ति योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को बड़ा लाभ मिलेगा। धर्मवीर सिंह ने बताया कि योजना के तहत विधवा या सिंगल मदर के बच्चों की 50 प्रतिशत तथा अनाथ बच्चों की 100 प्रतिशत फीस नवीन जिंदल फाउंडेशन वहन कर रहा है।

यूएस अटैक से भड़का ईरान, दी चेतावनी- जवाबी कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे

नई दिल्ली » ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने उनके बीच हुए नाजुक युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया है। यह आरोप अमेरिकी सेना द्वारा देश के दक्षिणी तट पर मौजूद ठिकानों पर नए सिरे से किए गए सैन्य हमलों के बाद लगाया गया है। तेहरान ने कड़े शब्दों में जारी एक बयान में कहा कि वाशिंगटन ने अंतरिम समझौते के तहत किए गए वादों को तोड़ा है और चेतावनी दी कि वह किसी भी और हमले का जवाब देने के लिए तैयार है।

पेंशन से जुड़ी त्रुटियों के समाधान के लिए लगा विशेष शिविर

कैथल » सामाजिक सुरक्षा पेंशन में आ रही त्रुटियों के समाधान के लिए जिला प्रशासन की ओर से लघु सचिवालय सभागार में विशेष शिविर आयोजित किया गया। डीसी अपराजिता और एडीसी सुशील कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कैंप में बुजुर्ग लाभार्थियों और उनके परिजनों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया। शिविर में नाम, पिता के नाम, आधार कार्ड, बैंक खाते और अन्य दस्तावेजों में दर्ज त्रुटियों को ठीक किया गया। सीटीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने कहा कि पात्र लाभार्थियों को बिना किसी बाधा के योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला समाज कल्याण अधिकारी अमितेंद्र श्योकंद ने बताया कि करीब 15 लाभार्थियों के रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन कर उन्हें राहत दी गई। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि जिन लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो सका या जो शिविर में नहीं पहुंच पाए, उनके लिए शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक लघु सचिवालय सभागार में दोबारा कैंप लगाया जाएगा।

लबाणा समाज को मिलेगा बाबा मक्खन शाह भवन

- भवन के लिए जमीन और 31 लाख रुपये अनुदान देने की घोषणा की

पिहोवा » लबाणा समाज की वर्षों पुरानी बाबा मक्खन शाह लुबाना सोसाइटी भवन की मांग जल्द पूरी होने जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समाज को कुरुक्षेत्र रोड पर भवन निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराने और 31 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की है। सोसायटी के प्रधान मनजीत सिंह ने बताया कि प्रस्तावित भवन में बुजुर्गों व जरूरतमंदों के ठहरने, भोजन, निशुल्क चिकित्सा और समाज सेवा की गतिविधियां संचालित की जाएंगी। समाज ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि यह फैसला लबाणा समाज के लिए ऐतिहासिक और लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति है।

यूएई से पाक आ रहा विमान बीच आसमान में गायब! अलर्ट जारी

नई दिल्ली » पाकिस्तान के पैरों तले जमीन खिसका देने वाला एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने लाहौर, कराची और इस्लामाबाद हर तरफ इस वक्त अफरातफरी मचा दी है। दरअसल आपको बता दें कि पाकिस्तान का एक प्लेन कार्गो प्लेन है जो सामान से लदा हुआ था। कराची पहुंचने के पहले ही अचानक गायब हो गया। कुछ लोग भी इसमें सवार थे। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस बोइंग कारगो प्लेन में ऐसा क्या सामान था और कितने का था जो अचानक ये गायब हो गया?

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन शुरू

- 31 जुलाई तक ऑनलाइन नामांकन, छह श्रेणियों में मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

कैथल » डीसी अपराजिता ने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने वर्ष 2026 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पुरस्कार के तहत उन बच्चों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने कम उम्र में बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है और नामांकन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। पात्रता के अनुसार 31 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे आवेदन कर सकते हैं। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों, बालिकाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति, कमजोर वर्गों और दिव्यांग बच्चों में छिपी प्रतिभाओं की पहचान कर अधिक से अधिक योग्य बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए।

» कजाखस्तान के बैकानूर कॉस्मोड्रोम से रूस के सोयुज अंतरिक्ष यान से रवाना होंगे...

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को भरेंगे उड़ान, 8 महीने का होगा मिशन

एजेंसी » नई दिल्ली

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर कॉस्मोड्रोम से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे मेनन आपातकालीन चिकित्सा के चिकित्सक और अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं। अमेरिकी वायुसेना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम' के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर सेवा दी। इसके अलावा उन्होंने 'हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन' के साथ भी काम किया, जहां वह माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों का इलाज करते थे। 49 वर्षीय मेनन भारत में भी एक वर्ष तक

'रोटरी एंबेसडोरियल स्कॉलर' के रूप में रहे, जहां उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियान के अध्ययन और समर्थन का कार्य किया। वह रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। इस मिशन में उनके साथ रूसी अंतरिक्ष यात्री अन्ना किकिना और प्योत्र दुब्रोव भी होंगे। मेनन ने 2014 में नासा में फ्लाइट सर्जन के रूप में अपना करियर शुरू किया था। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने और काम करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के साथ काम किया। वह 2018 में स्पेसएक्स से जुड़े, जहां उन्होंने कंपनी के मेडिकल कार्यक्रम की शुरुआत की और पहली मानव अंतरिक्ष उड़ानों की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिसंबर 2021 में मेनन का चयन नासा के अंतरिक्ष यात्री के रूप में हुआ और अगले महीने उन्होंने दो वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। मेनन की पत्नी अन्ना विल्हेम भी अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्होंने सितंबर 2024 में स्पेसएक्स द्वारा संचालित निजी मानव अंतरिक्ष मिशन 'पोलारिस डॉन' के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

रादौर से शुरू हुआ नवीन कृषि संकल्प अभियान

- प्राकृतिक खेती और वैज्ञानिक भंडारण पर किसानों को किया जागरूक

हिन्दुस्तान एकता » रादौर

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर रादौर के सफल पैलेस में सोमवार को 'नवीन कृषि संकल्प अभियान' का शुभारंभ हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने किया। कार्यक्रम में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से किसानों को स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। कृषि मंत्री ने प्राकृतिक खेती अपनाने, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटाने और वैज्ञानिक अन्न भंडारण को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी उपाय बताया। सांसद कार्यालय प्रभारी

धर्मवीर सिंह ने किसानों से उपज का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण करने की अपील की। विशेषज्ञों और सीडब्ल्यूसी अधिकारियों ने अन्न भंडारण, कीट नियंत्रण, फसल विविधीकरण और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। नवीन कृषि संकल्प अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में यमुनानगर के डीडीए आदित्य प्रताप डबास, सुरेंद्र चीमा, अवधेश राणा मंडल अध्यक्ष, मैनपाल सरपंच, हेमराज कुंजल, सतीश सैनी, हरपाल कंबोज, वीरेंद्र हैप्पी, प्रीति लाल बकाना, हरबंस लाल सैनी, सुशील दत्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

सुविचार

"विश्वास करो कि तुम कर सकते हो और तुम आधी मंजिल तय कर लोगे"

संपादकीय

साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव...

डिजिटल युग में इंटरनेट और स्मार्टफोन ने हमारे जीवन को पहले से अधिक सरल और सुविधाजनक बना दिया है। बैंकिंग, खरीदारी, शिक्षा, सरकारी सेवाएँ और सामाजिक संपर्क—लगभग हर काम अब ऑनलाइन होने लगा है। लेकिन सुविधाओं के साथ साइबर अपराधों का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक, ओटीपी ठगी और डिजिटल भुगतान से जुड़ी ठगी आज आम नागरिकों के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। साइबर अपराधी लोगों की छोटी-सी लापरवाही का फायदा उठाकर उनकी मेहनत की कमाई कुछ ही मिनटों में हड़प लेते हैं। कभी बैंक अधिकारी बनकर फोन किया जाता है, तो कभी किसी सरकारी योजना या इनाम का झांसा देकर व्यक्तिगत जानकारी और ओटीपी हासिल करने का प्रयास किया जाता है। सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर भी लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। हाल के वर्षों में ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे स्पष्ट है कि केवल तकनीक का विकास ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित उपयोग की समझ भी उतनी ही आवश्यक है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहना होगा। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपनी बैंकिंग जानकारी, एटीएम पिन, पासवर्ड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। बैंक या सरकारी संस्थाएँ कभी भी फोन पर ऐसी गोपनीय जानकारी नहीं मांगतीं। मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें, समय-समय पर उसे बदलें और जहाँ संभव हो, दो-स्तरीय सुरक्षा (टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन) का उपयोग करें। केवल आधिकारिक वेबसाइटों और विश्वसनीय मोबाइल ऐप का ही प्रयोग करें तथा मोबाइल और कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट रखें। साइबर सुरक्षा केवल सरकार या बैंकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक इंटरनेट उपयोगकर्ता की साझा जिम्मेदारी है। सरकार, पुलिस और साइबर अपराध प्रकोष्ठ समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाते हैं, लेकिन इन अभियानों की सफलता तभी संभव है जब नागरिक स्वयं भी सजग रहें। यदि किसी के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी होती है, तो उसे तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करनी चाहिए या www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करनी चाहिए। समय पर की गई शिकायत से नुकसान कम होने की संभावना बढ़ जाती है। डिजिटल भारत का सपना तभी साकार होगा जब तकनीक के साथ सुरक्षा की संस्कृति भी विकसित होगी। जागरूकता, सावधानी और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार ही साइबर अपराधों के विरुद्ध सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच हैं। सुरक्षित रहें, सतर्क रहें और दूसरों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाएं।

मैना की चहक

मुझे चाहिए पेड़ पर बैठी
मैना की चहक
खिलती हुई धूप से
थोड़ी सी गर्मी
चादर की सिलवटों में
खो गई अंगड़ाई
रसोई से आती
खुशबूदार बासमती की महक
काली अंधेरी रात से उधार चाहिए
सितारों वाली लड़ियां
आंखों की ठंडक के लिए
सुबह वाली ओस
मन चाहता मांग लूं हवा से
मदमाती गुलाबो वाली खुशबू
और बारिश से इंद्रधनुषी रंग
धूल भरी हवाओं से चुन लूं
कुछ अभ्रक के कण
पतझड़ से एक पीला पत्ता
बच्चों के आंसुओं में
छिपी किलकारी
वक्त से मांग लूं कुछ पन्ने
लिखनी है मुझे
कुछ कहानियां कुछ कविताएं
रंग भरने है उनमें
हमारे तुम्हारे एहसासों की
इतिहास बनाना चाहती हूं
जिंदगी के हर लम्हों की

-अर्चना तिवारी

हिन्दुस्तान एकता कार्यालय

प्रिय पाठकगण,
यदि आप हिन्दुस्तान एकता में अपनी कोई रचना, लेख, कविता, कहानी, ग़ज़ल, समीक्षा, संस्मरण, जीवनी, बाल स्तंभ व महिला स्तंभ आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो हर महीने की 2, 9, 16, 23 तारीख तक इस ईमेल पर भेजें तथा देश के हर कोने तक अपनी आवाज को बुलंद करें।
ईमेल:
hindustanektaliterature@gmail.com

सेल्फ लव इज नॉट सेल्फिशनेस: खुद से मोहब्बत मतलबी होना नहीं है...

आर.जे. रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम
गोल्ड 100.1

हम सुबह उठकर आईने में देखते हैं। चेहरा धोते हैं, बाल बनाते हैं, पर क्या कभी उस चेहरे से कहा – तू कमाल है यार? शायद नहीं। हम दूसरों को खुश करने में इतने बिजी हो गए कि खुद से मिलना ही भूल गए। मनोवैज्ञानिक इसे 'सेल्फ-नेग्लेक्ट' कहते हैं। आम भाषा में कहें तो खुद को लास्ट प्रायोरिटी पर रख देना। खुद से प्यार का मतलब सेल्फिश होना नहीं है।

फ्लाइट में भी पहले ऑक्सीजन मास्क खुद लगाते हैं, फिर बच्चे को मदद करते हैं। क्यों? क्योंकि अगर आप ही बेहोश हो गए तो किसी को नहीं बचा पाएंगे। जिंदगी का नियम भी यही है। खाली कप से आप किसी को चाय नहीं पिला सकते।

हम बचपन से सुनते आए हैं – पहले दूसरों के बारे में सोचो। इतना सुना कि भूल ही गए कि 'दूसरों' की लिस्ट में हम खुद भी तो आते हैं। मां अपने बच्चों के लिए भूखी सो जाती है, बेटा पिता का कर्ज उतारने में अपनी ख्वाहिशें मार देता है, लड़की सबका मन रखने के चक्कर में अपना 'ना' बोलना भूल जाती है। त्याग महान है, पर खुद को पूरी तरह मिटा देना? वो त्याग नहीं, खुद के साथ नाइंसाफी है।

याद करो वो दिन जब तुम छोटे थे। गिरते थे तो रोते थे, पर अगले ही पल उठकर फिर दौड़ पड़ते थे। खुद पर शक नहीं करते थे। मैं मोटा हूं, मैं काला हूं, मैं किसी काम का नहीं – ये सब तो दुनिया ने बाद में सिखाया। तुम तो बस 'तुम' थे। वो बच्चा आज भी तुम्हारे अंदर कहीं बैठा है। उसे गले लगाने का वक्त आ गया है।

सोशल मीडिया का झूठा आईना।

इंस्टाग्राम खोलते ही परफेक्ट बॉडी, परफेक्ट कपल, परफेक्ट जिंदगी दिखती है। और हम? हम तुलना के जाल में फंस जाते हैं। हम दूसरों की हाइलाइट रील से अपनी बैकस्टेज की तुलना कर रहे हैं। जो चमक रहा है वो सब सोना नहीं होता। हर हंसते चेहरे के पीछे एक लड़ाई चल रही होती है जो कैमरे में नहीं आती। तुम्हारी लड़ाई भी असली है। तुम्हारी थकान भी असली है। उसे झुठलाओ मत।

खुद से प्यार का पहला कदम है ये मान लेना कि आप 'वर्क इन प्रोग्रेस' हैं। परफेक्ट कोई नहीं। फर्क बस इतना है कि कुछ लोगों ने अपनी खामियों से दोस्ती कर ली। चलो आज कुछ वादे करते हैं खुद से।

1. **खुद से बात करो, डांटो नहीं...** गलती हो जाए तो खुद को 'बेवकूफ' कहने की जगह कहो, कोई बात नहीं यार, इंसान ही तो हूं। सीख लेंगे। आप अपने सबसे अच्छे दोस्त से कैसे बात करते? वैसे ही खुद से करो।
2. **'ना' बोलना सीखो...** हर किसी को खुश नहीं कर सकते। अगर कोई काम आपका दम घोंट रहा है, तो विनम्रता से मना कर दो। आपकी मेंटल पीस किसी पार्टी अटेंड करने से ज्यादा जरूरी है।
3. **अपनी जीत सेलिब्रेट करो...** प्रोमोशन ही नहीं, अगर आज आपने 8 गिलास पानी पी लिया, टहलने गए, या किसी टॉक्सिक इंसान को इग्नोर किया – तो वो भी जीत है। खुद की पीठ थपथपाओ।
4. **अकेले वक्त बिताओ...** जब सब सो जाएं, तो 5 मिनट ही सही, छत पर जाकर तारों को देखो। और खुद से पूछो – आज तेरा दिन कैसा था? सच बताना। खुद को सुनोगे तभी समझोगे कि अंदर क्या चल रहा है।
5. **माफ करो, खासकर खुद को...** पुरानी गलतियों का बोझ लेकर मत चलो। आप तब उतने समझदार नहीं थे जितने आज हो। रोज का बोझ उठाकर चला नहीं जाता।

रिश्तों पर क्या असर पड़ता है?

जो इंसान खुद से प्यार करता है, वो दूसरों को भी बेहतर प्यार दे पाता है। जब तुम खुद की इज्जत करोगे, तो गलत बर्ताव बर्दाश्त नहीं करोगे। टॉक्सिक रिश्तों से निकलने की हिम्मत आ जाएगी। जो तुम्हें हल्के में लेता था, वो अब सोचेगा।

सबसे खूबसूरत बात

जिस दिन तुम खुद को अपना मान लोगे, उस दिन अकेलापन तुम्हें डराएगा नहीं। तुम भीड़ में भी पूरे रहोगे, और तन्हाई में भी अधूरे नहीं लगोगे। तुम्हें किसी का 'पूरा' करने के लिए खुद को 'आधा' नहीं करना पड़ेगा।

खुद से प्यार कोई एक दिन का काम नहीं। ये रोज की प्रैक्टिस है। कुछ दिन आप खुद पर गुस्सा भी होंगे, फिर से पुराने पैटर्न में फंसेंगे। पर ठीक है। वापस आ जाओ। तो आज रात सोने से पहले आईने के पास जाना। अपनी आंखों में देखना। उनमें जो थकान है, जो सपने हैं, जो डर है – सबको अपनाना। और धीरे से कहना, सुन, मैं तुझे छोड़कर कहीं नहीं जा रहा। तूने बहुत सहा है मेरे लिए। अब मेरी बारी है तेरा ख्याल रखने की। यकीन मानो, उस एक लाइन से जो सुकून मिलेगा, वो दुनिया की किसी भी नींद की गोली में नहीं है। क्योंकि सबसे लंबा रिश्ता तुम्हारा तुम्हारे साथ ही है। इस रिश्ते में मोहब्बत डालोगे, तभी बाकी सब रिश्ते महकेंगे। शुरू करो। आज। अभी। क्योंकि तुम डिजर्व करते हो वो प्यार, जो तुम सबसे मांगते फिरते हो। सेल्फ लव इज नॉट सेल्फिशनेस।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

...क्या हमारी बेटियां सचमुच सुरक्षित हैं?

गणेश गुप्ता
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय,
सोनीपत में कार्यरत

जब किसी मासूम बच्ची या महिला के साथ बलात्कार, सामूहिक दुष्कर्म या किसी भी प्रकार की यौन हिंसा की खबर सामने आती है, तब केवल एक परिवार का जीवन ही नहीं टूटता, बल्कि पूरे समाज का आत्मविश्वास भी घायल हो जाता है। ऐसी घटनाएं देश के प्रत्येक माता-पिता के मन में भय, असुरक्षा और चिंता का वातावरण पैदा कर देती हैं। हर पिता की आँखों में अपनी बेटी का भविष्य और हर माँ के मन में उसकी सुरक्षा की चिंता गहराने लगती है। यह केवल एक अपराध नहीं होता, बल्कि मानवता, संवैधानिक मूल्यों और सभ्य समाज की आत्मा पर गहरा आघात होता है।

हाल ही में राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक नाबालिग बच्ची के साथ हुई अत्यंत दर्दनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। घटना की जांच और न्यायिक प्रक्रिया अपने निर्धारित मार्ग पर चल रही है, किंतु इसने एक बार फिर हमें यह सोचने पर विवश कर दिया है कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर हमारी व्यवस्था कितनी प्रभावी है। यह प्रश्न केवल सरकारों से नहीं, बल्कि पूरे समाज से है।

देश आज भी 2012 के निर्भया कांड को नहीं भूला है। उस घटना ने देशव्यापी जन आक्रोश को जन्म दिया, कानूनों में महत्वपूर्ण संशोधन हुए, महिलाओं की सुरक्षा के लिए नई व्यवस्थाएँ बनाई गईं और कठोर दंड के प्रावधान किए गए। इसके बावजूद समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएँ यह संकेत देती हैं कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभाव तभी दिखाई देता है जब उसका क्रियान्वयन तेज, निष्पक्ष और निश्चित हो। भारत ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए अनेक सशक्त कानूनी प्रावधान किए हैं। नाबालिगों के विरुद्ध यौन अपराधों की रोकथाम के लिए पॉक्सो (POCSO) अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता तथा अन्य विधिक व्यवस्थाओं में कठोर दंड का प्रावधान है। कई परिस्थितियों में मृत्युदंड तक की व्यवस्था भी उपलब्ध है। इसके बावजूद समाज में यह धारणा बनी रहती है कि अपराधियों में कानून का पर्याप्त भय उत्पन्न नहीं हो पा रहा है। इसका कारण केवल दंड की कठोरता नहीं, बल्कि कई बार जांच में देरी, मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, गवाहों का प्रभावित होना तथा दोष सिद्ध होने में आने वाली कठिनाइयाँ भी हैं।

वास्तव में अपराधी सबसे अधिक उस स्थिति से डरता है जहाँ उसे यह निश्चित हो कि अपराध के बाद वह कानून से बच नहीं सकेगा। यदि जांच वैज्ञानिक, निष्पक्ष और समयबद्ध हो तथा न्यायालयों में ऐसे मामलों का शीघ्र निस्तारण हो, तो कानून का प्रभाव स्वतः दिखाई देगा। इसलिए आवश्यकता केवल कठोर दंड की नहीं, बल्कि न्याय मिलने की निश्चितता और समयबद्धता की भी है।

महिलाओं की सुरक्षा केवल पुलिस या न्यायालय की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि परिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्थाएँ और नागरिक अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएँ, तो अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की जा सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी बेटियों को आत्मरक्षा और आत्मविश्वास की शिक्षा देने के साथ-साथ अपने बेटों को महिलाओं के सम्मान, समानता और संवेदनशीलता के संस्कार भी दें। समाज तभी बदलेगा जब पुरुषों की सोच बदलेगी।

हमारे यहाँ प्रतिवर्ष दशहरे पर रावण दहन किया जाता है। यह बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। किंतु यदि हम अपने भीतर मौजूद हिंसा, स्त्री-विरोधी मानसिकता और नैतिक पतन को समाप्त नहीं कर पाए, तो केवल प्रतीकात्मक आयोजन समाज को सुरक्षित नहीं बना सकते। महिलाओं का सम्मान केवल भाषणों, नारों और अभियानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वह हमारे व्यवहार, शिक्षा और सामाजिक संस्कृति का स्थायी हिस्सा बनना चाहिए।

आज सोशल मीडिया का युग है। दुर्भाग्यवश कई बार किसी संवेदनशील घटना के बाद लोग पीड़िता के प्रति सहानुभूति दिखाने के बजाय अफवाहें फैलाने, अपुष्ट जानकारी साझा करने या राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर बहस करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल जांच को प्रभावित करती है, बल्कि पीड़ित परिवार की पीड़ा भी बढ़ाती है। हमें यह समझना होगा कि किसी भी मामले में सत्य का निर्धारण न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ही होना चाहिए। नागरिकों का दायित्व है कि वे संयम रखें, पीड़ित की गरिमा का सम्मान करें और कानून को अपना कार्य करने दें।

इसके साथ ही सरकारों को भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटना चाहिए। महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों की जांच के लिए प्रशिक्षित विशेष पुलिस इकाइयों को मजबूत किया जाए। प्रत्येक जिले में फॉरेंसिक संसाधनों का विस्तार किया जाए ताकि साक्ष्य समय पर सुरक्षित किए जा सकें। फास्ट-ट्रैक न्यायालयों को पर्याप्त संख्या में स्थापित कर लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श, कानूनी सहायता और पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है जितनी अपराधियों को दंडित करना। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में लैंगिक समानता, संवैधानिक मूल्यों, साइबर सुरक्षा और यौन अपराधों की रोकथाम पर नियमित जागरूकता कार्यक्रम अनिवार्य किए जाने चाहिए। केवल कानून पढ़ाने से समाज नहीं बदलता; कानून के पीछे छिपे नैतिक मूल्यों को समझाना भी उतना ही आवश्यक है। मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

हैरतअंगेज हत्याकांड का सच...

युद्धवीर सिंह
हरियाणा विधानसभा,
चंडीगढ़

पुणे के मशहूर 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की मौत की कहानी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना शुरुआत में लोनावला के ऐतिहासिक लोहागढ़ किले में एक दुखद हादसे जैसी लग रही थी, जो पुलिस जांच के आगे बढ़ने के साथ ही एक बेहद खौफनाक, ठंडे दिमाग से रची गई और सुनियोजित हत्या की साजिश के रूप में सामने आई। इस पूरे मामले का सच एक ऐसी प्रेम त्रिकोण, धोखे और डिजिटल सुरागों की दास्तान है, जिसने कानून व्यवस्था और समाज दोनों को हैरान कर दिया है।

केतन अग्रवाल पुणे के गहुंजे इलाके के रहने वाले थे और अपने पारिवारिक व्यवसाय 'सक्सेस ग्रुप' में डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे। एक बेहद सीधे, मिलनसार और संपन्न परिवार के लड़के केतन की सगाई 20 वर्षीय सिया गोयल से हुई थी और इसी साल नवंबर में दोनों की शादी होने वाली थी। दोनों परिवारों में शादियों की तैयारियां बड़े स्तर पर चल रही थीं, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक ऐसा कड़वा सच छुपा था जिससे केतन और उनका परिवार पूरी तरह अनजान थे। सिया गोयल इस शादी के लिए तैयार नहीं थी और वह अपने परिवार के दबाव में केतन से शादी करने के लिए हां कह चुकी थी, जबकि उसका झुकाव 22 वर्षीय चेतन चौधरी नामक युवक की तरफ था।

साजिश की शुरुआत इसी प्रेम त्रिकोण और बेमेल सगाई से हुई। सिया गोयल और चेतन चौधरी ने मिलकर केतन को अपने रास्ते से हटाने की एक बेहद खतरनाक योजना बनाई। पुलिस की साइबर और डिजिटल फॉरेंसिक जांच में यह सच सामने आया कि इस वारदात को अंजाम देने से पहले दोनों आरोपियों ने इंटरनेट पर हत्या के कई तरीकों के बारे में विस्तार से रिसर्च की थी। उन्होंने ऑनलाइन यह खोजा था कि किसी व्यक्ति को जहर देकर कैसे मारा जा सकता है या फिर किसी ऐसी जगह से कैसे नीचे धकेला जाए जहां से गिरना एक सामान्य दुर्घटना का रूप ले सके। आखिरकार, उन्होंने लोनावला के पास स्थित लोहागढ़ किले को चुना, जहां की गहरी खाइयां और संकरे रास्ते किसी भी व्यक्ति को खाई में धकेल कर उसे एक आकस्मिक पैर फिसलने की घटना का रूप देने के लिए मुफीद थे।

वारदात के दिन यानी 18 जून 2026 को, जो कि सिया गोयल के जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले का वक्त था, सिया ने केतन के सामने जिद रखी कि वे दोनों जन्मदिन की पूर्व संध्या पर लोहागढ़ किले में ट्रैकिंग के लिए चलेंगे। केतन अपनी होने वाली मंगेतर की इस इच्छा को पूरा करने के लिए खुशी-खुशी तैयार हो गया। सुबह करीब साढ़े आठ बजे दोनों गहुंजे से कार द्वारा लोहागढ़ किले के लिए निकले और सुबह नौ से सवा नौ बजे के बीच किले की तलहटी में पहुंच गए। वहां से दोनों ने किले के ऊपर ट्रैकिंग शुरू की। लेकिन केतन इस बात से बिल्कुल बेखबर था कि मौत की साजिश रचने वाला दूसरा किरदार, चेतन चौधरी, उनसे पहले ही वहां पहुंच चुका था।

पुलिस जांच में चेतन चौधरी की चालाकी के कई अहम सबूत सामने आए हैं। चेतन पुणे से करीब 90 किलोमीटर दूर लोहागढ़ किले तक अपनी कार से नहीं बल्कि एक टू-व्हीलर (स्कूटर) से गया था ताकि टोल प्लाजा पर उसकी कार का कोई रिकॉर्ड या फास्टैग डेटा दर्ज न हो सके। इतना ही नहीं, अपनी लोकेशन को छिपाने के लिए चेतन ने अपना मोबाइल फोन पुणे के मार्केट यार्ड स्थित अपनी दुकान पर ही छोड़ दिया था और अपने एक कर्मचारी का मोबाइल फोन अपने साथ ले गया था। किले पर पहुंचने के बाद, जून की करीब 33 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी के बावजूद, उसने एक हुडी (हुड वाली जैकेट) पहन रखी थी। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि केतन और सिया आगे चल रहे थे, और उनके पीछे कुछ मीटर की दूरी पर एक लड़का हुडी का हुड चेहरे पर डाले और हेडफोन लगाए उनका पीछा कर रहा था।

किले के शीर्ष पर पहुंचने के बाद, सिया और चेतन ने पहले से तय किए गए संकेतों के आधार पर काम किया। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच यह तय हुआ था कि सिया किसी बहाने से, जैसे कि पानी पीने या जूते के फीते बांधने के लिए, नीचे बैठेगी। यह इशारा चेतन के लिए हमला करने का संकेत था। नीचे बैठने की योजना इसलिए बनाई गई थी ताकि जब केतन को खाई में धकेला जाए, तो वह हड़बड़ाहट में सिया को न पकड़ सके और सिया सुरक्षित बच जाए। किले के एक बेहद सुनसान और गहरी खाई वाले छोर पर, योजना के मुताबिक ही काम हुआ। लगभग 10 बजकर 30 मिनट पर, केतन को 400 फीट गहरी खाई में धकेल दिया गया। पुलिस के मुताबिक, केतन के पिता ने यह भी आरोप लगाया था कि इससे पहले भी एक बार केतन को खाई की तरफ धकेलने की कोशिश हुई थी, लेकिन तब उसने झाड़ियों को पकड़कर खुद को बचा लिया था, मगर इस बार वह अपनी जान नहीं बचा सका।

घटना को अंजाम देने के बाद चेतन चौधरी महज 10 मिनट के भीतर किले से नीचे उतर गया और कुल 50 मिनट में उसने चढ़ाई और उतराई पूरी कर ली। वहीं दूसरी ओर, सिया गोयल ने तुरंत वहां मौजूद स्थानीय लोगों और केतन के परिवार को फोन कर रोना-धोना शुरू कर दिया और खुद को एक दुखी मंगेतर के रूप में पेश करते हुए यह दिखाने की कोशिश की कि पैर फिसलने की वजह से केतन के साथ यह भयानक हादसा हुआ है। लोनावला ग्रामीण पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद केतन के शव को खाई से बाहर निकाला। शुरुआती तौर पर पुलिस ने इसे एक आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया था।

(यह लेखक के निजी विचार है)

पतियों की हत्या के बढ़ते मामले...

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व
वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय
अभिलेखागार, नई दिल्ली
में कार्यरत

भारत में विवाह को केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि विश्वास, समर्पण, सहयोग और आजीवन साथ निभाने का पवित्र बंधन माना गया है। भारतीय संस्कृति में पति और पत्नी को एक दूसरे का पूरक समझा गया है, जो जीवन की हर परिस्थिति में एक दूसरे का साथ निभाते हैं। यही कारण है कि विवाह संस्था सदियों से भारतीय समाज की सबसे मजबूत नींव रही है। किंतु बदलते समय में अनेक ऐसे घटनाक्रम सामने आ रहे हैं जिन्होंने इस विश्वास को गहरी चोट पहुँचाई है। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें पत्नियों पर अपने ही पतियों की हत्या का आरोप लगा। इन घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया है और लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर रिश्तों में ऐसा कौन सा परिवर्तन आ गया है कि जीवनसाथी ही जीवन का सबसे बड़ा शत्रु बनता जा रहा है। इस विषय पर चर्चा करते समय तथ्यों की शुद्धता अत्यंत आवश्यक है। उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो पति की हत्या पत्नी द्वारा किए जाने की अलग राष्ट्रीय श्रेणी प्रकाशित नहीं करता। इसलिए पूरे देश के लिए कोई आधिकारिक संख्या उपलब्ध नहीं है। कुछ स्वतंत्र अध्ययनों और पाँच राज्यों के संकलित मामलों के आधार पर वर्ष 2020 से 2024 के बीच लगभग 785 ऐसे मामले सामने आने का उल्लेख किया गया है, जबकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि राष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। इन अनुमानों को अंतिम या आधिकारिक आँकड़ा नहीं माना जा सकता, लेकिन इतना अवश्य स्पष्ट है कि ऐसी घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं।

इन घटनाओं का सबसे बड़ा प्रभाव विवाह जैसी पवित्र संस्था पर पड़ता है। विवाह का आधार विश्वास होता है। यदि पति और पत्नी के बीच विश्वास समाप्त हो जाए तो केवल एक परिवार ही नहीं टूटता बल्कि समाज की मूल संरचना भी कमजोर होने लगती है। जब लोग यह सुनते हैं कि किसी पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी या किसी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी, तो उनके मन में विवाह के प्रति भय और असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है। युवा पीढ़ी के सामने विवाह का आदर्श स्वरूप धुंधला पड़ने लगता है और यह धारणा बनने लगती है कि वैवाहिक जीवन अब पहले जैसा सुरक्षित और स्थिर नहीं रहा। अधिकांश मामलों का अध्ययन बताता है कि ऐसे अपराध किसी एक कारण से नहीं होते। कई मामलों में विवाहेतर संबंध, पारिवारिक विवाद, आर्थिक तनाव, संपत्ति का विवाद, लंबे समय से चला आ रहा वैवाहिक तनाव, आपसी अविश्वास और प्रतिशोध जैसी परिस्थितियाँ सामने आती हैं। राष्ट्रीय स्तर पर हत्या के मामलों के उद्देश्यों में भी पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत दुश्मनी, प्रेम संबंध और अवैध संबंध महत्वपूर्ण कारणों में शामिल पाए गए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि परिवार के भीतर पैदा होने वाले विवाद यदि समय रहते नहीं सुलझाए जाएँ तो वे कभी-कभी अत्यंत हिंसक रूप धारण कर सकते हैं।

यह भी समझना आवश्यक है कि हर वैवाहिक विवाद हत्या में परिवर्तित नहीं होता। अधिकांश परिवार कठिन परिस्थितियों के बावजूद बातचीत, समझौते, पारिवारिक सहयोग और कानूनी उपायों के माध्यम से अपने मतभेद सुलझा लेते हैं। इसलिए कुछ जघन्य घटनाओं के आधार पर पूरे समाज या किसी एक लिंग के प्रति नकारात्मक धारणा बनाना उचित नहीं होगा। अपराधी का मूल्यांकन उसके अपराध के आधार पर होना चाहिए, उसके लिंग के आधार पर नहीं। इन घटनाओं का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। जब किसी परिवार में एक अभिभावक की हत्या हो जाती है और दूसरा जेल चला जाता है, तब बच्चे एक साथ माता और पिता दोनों का सहारा खो देते हैं। उनके सामने आर्थिक, सामाजिक और मानसिक संकट खड़ा हो जाता है। वे लंबे समय तक भय, अवसाद, असुरक्षा और सामाजिक उपेक्षा का सामना करते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि बचपन में इस प्रकार का आघात व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित कर सकता है। ऐसे बच्चे पढ़ाई, सामाजिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं। समाज के स्तर पर भी इन घटनाओं के दूरगामी परिणाम दिखाई देते हैं। जब परिवारों के भीतर हिंसा बढ़ती है तो सामाजिक विश्वास कमजोर होता है। पड़ोसी, रिश्तेदार और मित्र भी वैवाहिक संबंधों को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। समाज में अविश्वास का वातावरण बनने लगता है। यह स्थिति केवल पति पत्नी तक सीमित नहीं रहती बल्कि अगली पीढ़ी तक पहुँचती है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि वे हिंसा, धोखे और प्रतिशोध को सामान्य व्यवहार के रूप में देखने लगेंगे तो समाज में संवेदनशीलता और सहिष्णुता का स्तर लगातार घटेगा।

(यह लेखक के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

राम मंदिर चंदा घोटाला: अखिलेश यादव ने ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग की

नई दिल्ली » आरोपियों से पूछताछ जारी रहने के बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को अयोध्या राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इसे सनातन धर्म में महापाप बताया और मंदिर ट्रस्ट के पूरी तरह से पुनर्गठन की मांग की। लखनऊ में आध्यात्मिक गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के कार्यक्रम में उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि अयोध्या में उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए भगवान श्री राम की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने 'महापाप' किया है।

राहुल गांधी का देहरादून दौरा: छात्रों की गूंज से सरकार की शिक्षा नीति पर करेंगे घेराबंदी

नई दिल्ली » कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत शहर के युवाओं से बातचीत करने के लिए 17 जुलाई को देहरादून का दौरा करेंगे। यह दौरा राजस्थान के कोटा में पहले हुए 'छात्रों की गूंज' प्रोग्राम के मॉडल पर आधारित होगा। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के एक पदाधिकारी के अनुसार, गांधी देहरादून के परेड ग्राउंड में युवाओं से मिलेंगे; उन्होंने इस कार्यक्रम की तैयारियों के चल रहे होने की पुष्टि की है। राहुल गांधी ने पिछली बार 4 जून को उत्तराखंड का दौरा किया था, लेकिन खराब मौसम की वजह से अल्मोड़ा में उनकी जनसभा और पौड़ी गढ़वाल में पूर्व सैनिकों के साथ तय बातचीत को टालना पड़ा था।

पीएम मोदी की यात्रा से पहले न्यूजीलैंड का फैसला

57 प्रतिशत निर्यात पर पहले दिन से नहीं लगेगा शुल्क

एजेंसी » नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार (10 जुलाई) से न्यूजीलैंड की आधिकारिक यात्रा पर हैं। यात्रा से पहले न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत-न्यूजीलैंड प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को दोनों देशों के लिए अहम बताया है। उन्होंने कहा कि इससे न्यूजीलैंड के कारोबार को लाभ मिलेगा और भारतीय बाजार में उसकी पहुंच और मजबूत होगी। लक्सन ने समझौते के संभावित आर्थिक फायदे भी गिनाते हुए कहा कि भारत को होने वाले न्यूजीलैंड के कुल निर्यात का 57 प्रतिशत हिस्सा समझौता लागू होने के पहले ही दिन से शुल्क मुक्त हो जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार को नई गति मिलने की उम्मीद है।

पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- भारत के साथ हमारा व्यापार समझौता न्यूजीलैंड के व्यवसायों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। भारत को निर्यात की जाने वाली हमारी 57 प्रतिशत वस्तुएं पहले दिन से ही बिना किसी शुल्क के भारतीय बाजार में प्रवेश कर सकेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 11 जुलाई तक न्यूजीलैंड की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रहेंगे। यह दौरा प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के निमंत्रण पर हो रहा है। बीते 40 सालों में यह पहला मौका है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा है। ऑकलैंड में दोनों नेता द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। न्यूजीलैंड की सांसद परमजीत कौर परमार ने भी भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है।

व्यवसायों-उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ...

परमार ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता देश के व्यवसायों के हितों की रक्षा करना है और यह समझौता दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने कहा- हमारे लिए व्यवसायों का हित सबसे अहम है। इस मुक्त व्यापार समझौते से उपभोक्ताओं, उत्पादकों और कारोबारियों सभी को लाभ मिलेगा। यह न्यूजीलैंड और भारत दोनों देशों के लिए सकारात्मक साबित होगा। सांसद परमार ने कहा कि प्रस्तावित ट्रेड एग्रीमेंट फिलहाल न्यूजीलैंड की संसदीय प्रक्रिया से गुजर रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा इस प्रक्रिया को नई गति देगी।

उन्होंने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के व्यवसायों, उत्पादकों और उपभोक्ताओं को काफी लाभ मिलेगा।

राम मंदिर ट्रस्ट तुरंत भंग करो, देरी से बढ़ी नाराजगी: गहलोत

नई दिल्ली » कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में जांच एजेंसियों और राजनीतिक नेतृत्व की तरफ से देरी से की गई कार्रवाई की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मंदिर के फंड का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट को सबूतों के साथ छेड़छाड़ का पता चलने के तुरंत बाद ही भंग कर दिया जाना चाहिए था। गहलोत ने इस मामले के सामने आने के शुरुआती दिनों में चुप्पी साधे रखने के लिए बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कड़ी आलोचना की। गहलोत ने सवाल किया कि कार्रवाई कब होगी? जब इस घटना की जानकारी पहली बार सामने आई, तो सीसीटीवी फुटेज डिलीट कर दिया गया था। तुरंत की जाने वाली कार्रवाई ट्रस्ट को भंग करना और जांच शुरू करना होनी चाहिए थी। बाद में, एफआईआर दर्ज की गई, एसआईटी बनाई गई और पहली गिरफ्तारी हुई। कई दिनों तक आरएसएस और बीजेपी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

डायबिटीज मरीजों को बड़ी राहत

दुनिया की पहली साप्ताहिक इंसुलिन भारत में हुई लॉन्च

एजेंसी » नई दिल्ली

डेनमार्क की बड़ी दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने गुरुवार को भारत में वयस्कों में डायबिटीज के इलाज के लिए अपना हफ़्ते में एक बार लगने वाला बेसल इंसुलिन इंजेक्शन 'अविकली' लॉन्च किया। इसके साथ ही भारत इस थेरेपी को पेश करने वाला सातवां बाज़ार बन गया है। यह टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज वाले वयस्कों के लिए दुनिया की पहली ऐसी बेसल इंसुलिन है जो हफ़्ते में सिर्फ़ एक बार लेनी होती है। इससे डायबिटीज के इलाज में एक बड़ा बदलाव आया है, क्योंकि इंसुलिन इंजेक्शन की संख्या साल में 365 से घटकर सिर्फ़ 52 रह गई है। इंसुलिन एक हार्मोन है जो ग्लूकोज़ (शुगर) को खून से निकालकर कोशिकाओं (सेल्स) तक पहुँचाने में मदद करता है, ताकि यह खून में जमा न हो। टाइप 1 डायबिटीज या एडवांस्ड टाइप 2 डायबिटीज वाले मरीज़ों को अपने ब्लड शुगर को सही रेंज में रखने के लिए इंसुलिन लेनी पड़ती है—आमतौर पर दिन में एक बार और कभी-कभी दिन में कई बार। कंपनी ने कहा कि 'अविकली' को टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले लोगों के लिए बनाया गया है। यह रोज़ाना बेसल इंसुलिन इंजेक्शन लेने की ज़रूरत को खत्म करके, हफ़्ते में एक बार दी जाने वाली डोज़ की सुविधा देता है। इससे सालाना इंजेक्शन की संख्या 365 से घटकर सिर्फ़ 52 रह जाती है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बदली देवभूमि की तस्वीर

नई दिल्ली प उत्तराखंड में पिछले पांच वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने नीतिगत निरंतरता, शासन सुधार और योजनाओं को जमीन पर उतारने पर विशेष ध्यान दिया है। राजनीतिक अस्थिरता के पुराने दौर से बाहर निकलकर इस सरकार को प्रशासनिक निरंतरता का पूरा लाभ मिला है। सरकार ने इस स्थिरता का उपयोग लंबे समय से लंबित विधायी सुधारों को पूरा करने और इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए किया है। प्रशासन का मानना है कि इस स्थिर शासन से नीतियों को तेजी से लागू करने, पारदर्शिता बढ़ाने और राज्य के दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव तैयार हुई है।

पंजाब कांग्रेस: राय अलग लेकिन हम एकजुट हैं; चन्नी और रंधावा ने दिया एकता का संदेश

एजेंसी » नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेताओं ने गुरुवार को एकजुटता दिखाने के लिए बैठक की। पार्टी के अंदर मतभेदों की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि वे लोकतंत्र पर हमले का विरोध करेंगे, साथ ही पार्टी के भीतर अलग-अलग विचारों को भी स्वीकार करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पार्टी नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा, परगट सिंह, भारत भूषण आशु, गुरकीरत सिंह कोटली, बरिंदरमीत सिंह पाहरा और कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह के साथ बैठक में शामिल हुए।

बैठक के बाद रंधावा ने पत्रकारों से कहा कि आज परगट सिंह ने साफ़ संदेश दिया है कि भले ही विचारों में मतभेद हों, लेकिन कांग्रेस एकजुट है। परगट सिंह ने कहा कि पार्टी आलाकमान को जानकारी दी गई थी और आंतरिक मुद्दों को सुलझाने की कोशिशें जारी थीं। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान को सब पता है। हम मामलों को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। राणा गुरजीत सिंह ने इस बैठक को रणनीतिक चर्चा बताया, जिससे उनका हौसला बढ़ा। उन्होंने कहा कि आज सुखजिंदर सिंह रंधावा, परगट सिंह और अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक हुई। कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। लोकतंत्र के खिलाफ जाने वाली किसी भी बात के खिलाफ हम आवाज़ उठाएंगे। आज की बैठक से मेरा हौसला बढ़ा है। हमने रणनीतिक चर्चा की। उन्होंने कहा कि नेताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पार्टी लोकतांत्रिक सिद्धांतों को लेकर चुप नहीं बैठेगी। चर्चा किए गए विकल्पों में कानूनी कार्रवाई करना या चिंताओं को दूर करने के लिए कोई बड़ा कार्यक्रम आयोजित करना शामिल था। उन्होंने बताया कि चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, परगट सिंह, भारत भूषण आशु, गुरकीरत कोटली और बरिंदरमीत सिंह पाहड़ा आज मुझसे मिलने आए और कहा कि कांग्रेस पार्टी हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगी।

गलवान के बाद चीन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कब्जा: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली » कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 9 जुलाई को नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद के छह सालों में सरकार ने चीन के सामने भारत के हितों से समझौता किया है। उन्होंने कहा कि 2020 में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बावजूद, बीजिंग ने भारतीय अर्थव्यवस्था के कई अहम क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण मज़बूत कर लिया है। X पर एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि गलवान झड़प के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, सोलर एनर्जी और ज़रूरी खनिजों जैसे उद्योगों में चीनी आयात पर भारत की बढ़ती निर्भरता सरकार की आर्थिक और रणनीतिक नीतियों की विफलता को दिखाती है।

बुंदेलखंड से सीएम योगी का एसपी पर बड़ा वार

कब्रिस्तान जिन्हें प्यारा, उन्हें राम मंदिर अच्छा नहीं लगता

एजेंसी » नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 9 जुलाई को बांदा में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने बुंदेलखंड को औद्योगिक और रक्षा निर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करके इसे धरती का स्वर्ग बनाने का संकल्प लिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज के मैदान में भारी भीड़ को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटीके तहत बुंदेलखंड को एक प्रमुख औद्योगिक शहर के रूप में विकसित करने की योजनाओं की रूपरेखा पेश की। योगी ने भविष्यवाणी की कि इस क्षेत्र से होने वाला पलायन उलट जाएगा और कहा कि हम बुंदेलखंड को 'धरती का स्वर्ग' बनाएंगे। भविष्य में, युवा यहां से पलायन नहीं करेंगे; बल्कि, दुनिया भर से लोग नौकरियों के लिए बुंदेलखंड आएंगे। हम इस क्षेत्र को एक 'डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' हब बना रहे हैं जहां ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन होगा। जब भारत इन्हें दागेगा, तो दुश्मन थर-थर कांपेगा। उन्होंने यह भी बताया कि लैंड माफियाओं के कब्जे से 64,000 एकड़ जमीन मुक्त कराई गई है। पिछले दशक में हुई प्रगति पर बात करते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने 9.5 साल पहले बुंदेलखंड की अपनी पहली यात्रा को याद किया। उन्होंने उस समय के हालात को बेहद खराब बताया, जिसमें पलायन, पानी की कमी और माइनिंग व ज़मीन माफिया के साथ-साथ डकैतों का बोलबाला था। उन्होंने कहा कि जब मैं पहली बार 9.5 साल पहले बुंदेलखंड गया था, तो वहाँ हालात बहुत खराब थे।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

अर्जेंटीना की वापसी पर डेविड बेकहम बोले-मेसी खास इंसान

नई दिल्ली » अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने मिस्र के खिलाफ अपनी टीम को रोमांचक वापसी वाली जीत दिलाई, जिसके बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम ने उनकी जमकर तारीफ़ की। बेकहम ने न सिर्फ़ मैदान पर मेसी के शानदार खेल की तारीफ़ की, बल्कि फ़ुटबॉल के मैदान के बाहर उनके अच्छे स्वभाव की भी सराहना की। इंटर मियामी सीएफ के को-ओनर और प्रेसिडेंट बेकहम ने अर्जेंटीना की रोमांचक फीफा वर्ल्ड कप 2026 राउंड ऑफ़ 16 जीत के बाद दो इंस्टाग्राम स्टोरीज़ शेयर कीं। उन्होंने उस खिलाड़ी का जश्न मनाया, जिसे फ़ुटबॉल इतिहास के सबसे बड़े ट्रांसफ़र में से एक के तहत मेजर लीग सॉकर क्लब में शामिल होने के लिए मनाने में उन्होंने कई साल लगाए थे।

विम्बलडन में नोवाक जोकोविच का 5 घंटे चला 'महायुद्ध'

नई दिल्ली » नोवाक जोकोविच की उम्र 39 वर्ष है लेकिन उनका जोश, जुनून और फिटनेस में किसी तरह की कमी नहीं आई है। इसका शानदार नजारा विंबलडन के सेंटर कोर्ट में देखने को मिला जहां उन्होंने पांच घंटे से भी अधिक समय तक चले मैराथन मुकाबले में फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच ने मंगलवार को कनाडा के 25 साल के ऑगर-एलियासिमे पर 7-6 (10), 3-6, 6-3, 6-7 (4), 7-6 (4) से जीत हासिल की और मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में रोमांचक मुकाबले की नींव रखी।

फीफा वर्ल्ड कप: एम्बाप्पे ने की मेसी की बराबरी

डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

एजेंसी » नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस ने अपनी बादशाहत कायम रखते हुए एक बार फिर फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। बोस्टन स्टेडियम में खेले गए इस हाई-प्रोफाइल क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से शिकस्त दी। इस धमाकेदार जीत के साथ ही फ्रांस ने लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। फ्रांस के लिए इस जीत के नायक स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे और उस्मान डेम्बेले रहे।

मैच की शुरुआत से ही 2018 की चैंपियन टीम फ्रांस ने अपना दबदबा बनाए रखा। एम्बाप्पे, डेम्बेले और माइकल ओलिस की फॉरवर्ड लाइन के सामने मोरक्को का डिफेंस पूरी तरह लाचार नजर आया। दुनिया की 7वें नंबर की टीम मोरक्को के स्टार खिलाड़ी इस्माइल सैबारी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस अहम मुकाबले से बाहर थे, जिसका असर टीम के अटैक पर साफ दिखा। अकेले स्ट्राइकर के तौर पर खेल रहे ब्राहिम डियाज़ को टीम का साथ नहीं मिला। फ्रांस के गोलकीपर माइक मैगनन को पूरे मैच में सिर्फ एक बार बचाव (Save) करना पड़ा, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डिफेंडर दायोट उपामेकानो और विलियम सालिबा के लिए यह मैच कितना आसान रहा।

मैच के 28वें मिनट में फ्रांस को बढ़त बनाने का सुनहरा मौका मिला जब उन्हें पेनल्टी दी गई। एम्बाप्पे ने शॉट लिया, लेकिन मोरक्को के गोलकीपर बोनो ने शानदार संयम दिखाते हुए सही दिशा का अनुमान लगाया और एम्बाप्पे के लो-शॉट को रोक दिया। यूरो 2020 के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए एम्बाप्पे की यह पहली पेनल्टी चूक थी।

इसके बाद पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में लुकास डिग्ने ने 30 मीटर की दूरी से एक जोरदार शॉट लगाया, जो सीधे क्रॉसबार से जा टकराया। पहले हाफ तक मोरक्को की टीम विपक्षी पाले में घुसने के लिए संघर्ष करती रही और एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा सकी।

दूसरे हाफ में फ्रांस ने खेल की रफ्तार को और तेज कर दिया। 60वें मिनट में एम्बाप्पे ने तेजी से चकमा देते हुए एक शानदार फिनिश के साथ अपनी पेनल्टी की चूक की भरपाई की और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इस गोल के साथ ही एम्बाप्पे ने टूर्नामेंट में अपने गोल की संख्या 8 पहुंचा दी है और वे 'गोल्डन बूट' की रेस में लियोनेल मेसी के बराबर आ गए हैं। अभी मोरक्को इस झटके से संभल भी नहीं पाई थी कि उस्मान डेम्बेले ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। बैलोन डी'ओर विजेता डेम्बेले ने एम्बाप्पे की दौड़ से बने खाली स्पेस का पूरा फायदा उठाया और टूर्नामेंट का अपना 5वां गोल दागा।

भारत ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 4 गोल्ड सहित 20 मेडल जीते

नई दिल्ली » भारतीय पहलवानों ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण सहित 20 अपने नाम किये जिसमें सात रजत और नौ कांस्य पदक शामिल है। भारत ने चैंपियनशिप के महिला कुश्ती और पुरुष फ्रीस्टाइल में ओवरऑल टीम रैंकिंग में भी शीर्ष तीन में जगह पक्की की। महिला कुश्ती में भारतीय टीम 184 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही जो चैंपियन चीन (189 अंक) से थोड़ा ही कम था।

जापान (142 अंक) तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम 152 अंकों तीसरे स्थान पर रही। उससे आगे विजेता कजाकिस्तान (170) और ईरान (164) रहे। महिला वर्ग में परवीन (50 किग्रा), मुस्कान (53 किग्रा) और काजल (76 किग्रा) ने स्वर्ण पदक के साथ भारतीय चुनौती की अगुवाई की। मान्या राजपूत (57 किग्रा), सविता (62 किग्रा) और मनीषा (72 किग्रा) को चीन के पहलवानों के खिलाफ अपने-अपने फाइनल मुकाबले हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

विम्बलडन में भारतीय टेनिस का नया सितारा

अर्नव पापरकर 36 साल बाद जूनियर क्वार्टर-फाइनल में

एजेंसी » नई दिल्ली

भारतीय टेनिस के लिए विंबलडन से एक बेहद उत्साहजनक खबर सामने आई है। देश के युवा खिलाड़ी अर्नव पापरकर ने जूनियर एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर नया इतिहास रच दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार वह पिछले 36 वर्षों में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले वर्ष 1990 में लिएंडर पेस ने न सिर्फ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी, बल्कि खिताब भी अपने नाम किया था। ऐसे में अर्नव का यह प्रदर्शन भारतीय टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

18 वर्षीय अर्नव पापरकर ने जापान के रियो तबाता को सीधे सेटों में 6-2 और 6-1 से हराया। यह मुकाबला केवल 52 मिनट तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। गौरतलब है कि इससे पहले रियो तबाता दो बार अर्नव को हरा चुके थे। एक मुकाबले में तो अर्नव निर्णायक सेट में 5-2 की बढ़त पर थे और उनके पास पांच मैच अंक भी थे, लेकिन वह जीत नहीं सके थे। इस बार उन्होंने उस हार का शानदार जवाब दिया है। मुकाबले के बाद अर्नव ने कहा कि पिछली हार उनके दिमाग में जरूर थी, लेकिन अब वह मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब वह खुद से कहते हैं कि यह सिर्फ एक टेनिस मैच है और इसी सोच ने उन्हें शांत रहकर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है।

ईरान के राष्ट्रपति का बड़ा आरोप: फीफा वर्ल्ड कप में अमेरिका कर रहा धोखाधड़ी, तोड़े नियम

एजेंसी » नई दिल्ली

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने अमेरिका और फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आयोजन पर तीखा हमला किया है। उन्होंने मेज़बान देश पर नियमों को तोड़ने, प्रतिद्वंद्वियों को धमकाने और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। ये आरोप ऐसे समय में लगाए गए हैं जब कई विवादों ने टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण पर साया डाल दिया है। X पर एक पोस्ट में, पेज़ेशकियन ने वर्ल्ड कप से जुड़े हालिया विवादों को वॉशिंगटन की व्यापक विदेश नीति के नज़रिए से जोड़ा। ईरान के राष्ट्रपति ने लिखा कि वर्ल्ड कप के मेज़बान के तौर पर अमेरिकी सरकार का बर्ताव उनकी जानी-पहचानी विदेश नीति जैसा ही है: नियमों को तोड़ना-मरोड़ना, प्रतिद्वंद्वियों पर दबाव बनाना, रुकावटें पैदा करना और धोखाधड़ी करना। यही उनका मेक अमेरिका ग्रेट अगेन तरीका है। ईरान ऐसी चालों को नहीं मानता। हम अपने अधिकारों के लिए मजबूती से खड़े हैं। उनकी यह टिप्पणी मिस्र की डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना के हाथों 'राउंड ऑफ़ 16' में 3-2 से मिली नाटकीय हार के ठीक बाद आई है। इस मैच ने रेफरी के फैसलों और टूर्नामेंट के आयोजन में फीफा के तौर-तरीकों पर नई बहस छेड़ दी है।

मिस्र के हेड कोच होसाम हसन ने आरोप लगाया कि उनकी टीम की दो गोल की बढ़त गंवाने के बाद फीफा ने अर्जेंटीना और कप्तान लियोनेल मेसी का पक्ष लिया। दूसरे हाफ में मिस्र के खिलाड़ी मुस्तफा ज़िको के गोल को मैदान पर वीएआर रिव्यू के बाद अमान्य करार दिया गया; अधिकारियों ने पाया कि गेंद के नेट में जाने से लगभग 20 सेकंड पहले हुए एक नियम-उल्लंघन के कारण गोल अमान्य हो गया।

शतरंज: अश्वत फाइनल जीतकर बने भारत के 98वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली » भारतीय शतरंज लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और देश के युवा खिलाड़ी दुनिया भर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इसी कड़ी में भारत को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी के रहने वाले 17 वर्षीय अश्वत एस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के 98वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल कर लिया है। उनकी इस सफलता से भारतीय शतरंज जगत में खुशी की लहर है और अब देश के 100वें ग्रैंडमास्टर बनने की दिशा में भी कदम तेजी से बढ़ते दिखाई दे रहे हैं।

भारतीय फुटबॉल में फेरबदल: प्रीमियर लीग मॉडल पर चलेगी आईएसएल, एआईएफएफ का कंट्रोल

एजेंसी » नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल के लिए बुधवार का दिन अहम रहा। नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और इंडियन सुपर लीग की प्रबंधन समिति ने लीग के भविष्य को लेकर कई बड़े फैसलों की घोषणा की। मौजूद जानकारी के अनुसार, अब इंडियन सुपर लीग के व्यावसायिक अधिकार क्लबों के पास होंगे, जबकि लीग के प्रशासनिक संचालन और महत्वपूर्ण नीतिगत जिम्मेदारियां एआईएफएफ के पास ही रहेंगी। इस पत्रकार वार्ता में एआईएफएफ के उप महासचिव एम. सत्यनारायण, प्रतियोगिता प्रमुख अक्षय रोहतगी, एफसी गोवा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि पुस्कुर, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मंदार ताम्हाणे तथा स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव सूद मौजूद रहे।

बता दें कि यह नई व्यवस्था दुनिया के कई प्रमुख फुटबॉल लीग मॉडल की तर्ज पर तैयार की गई है, जहां क्लब व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करते हैं और राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ प्रशासनिक निगरानी बनाए रखता है। इसका उद्देश्य लीग को आर्थिक रूप से अधिक मजबूत और लंबे समय तक टिकाऊ बनाना है। एआईएफएफ के उप महासचिव एम. सत्यनारायण ने कहा कि महासंघ का लक्ष्य इंडियन सुपर लीग को एशिया की सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल लीगों में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में उच्चतम न्यायालय के हालिया आदेश और नए राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून का भी ध्यान रखा गया है, ताकि भविष्य में लीग का संचालन पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप हो सके।

'द अलायंस'

बहन डोली के एविक्शन पर भड़कीं उर्फी- बोलीं

कुशल टंडन को ओल्ड एज होम भेजो: उर्फी

रियलिटी शो द अलायंस में कुशाल टंडन ने अपनी गैंग की मदद से डोली जावेद को शो से बाहर कर दिया है। इस बात से नाराज होकर अब डोली की बहन और सोशल मीडिया स्टार उर्फी जावेद का गुस्सा कुशाल टंडन पर बुरी तरह फूटा है। उर्फी ने सोशल मीडिया पर कुशाल को जमकर खरी-खोटी सुनाई है और उन्हें ओल्ड एज होम जाने तक की सलाह दे डाली है।

» **बहन के सपोर्ट में आई उर्फी...** उर्फी जावेद द अलायंस शो में अपनी बहन डोली जावेद का खुलकर साथ दे रही हैं। शो के दौरान कुशाल टंडन अक्सर डोली जावेद को बिल्डिंग का बच्चा कहकर बुलाते थे। कुशाल अक्सर डोली और उनके दोस्तों पर अपनी उम्र और सीनियोरिटी का रौब दिखाते थे, जिसका डोली ने शो के अंदर भी विरोध किया था।

» **कुशाल को बताया पाखंडी...** उर्फी जावेद ने कुशाल टंडन की क्लास लगाते हुए उन्हें पाखंडी और नार्सिसिस्ट कहा है। उर्फी ने एक वीडियो शेयर करके सवाल उठाया कि अगर कुशाल को शो में सब बच्चे ही लगते हैं, तो वह खुद इस शो में क्या करने आए हैं? उन्हें तो फिर ओल्ड एज होम चले जाना चाहिए। उर्फी ने आगे कहा कि कुशाल को दूसरों से सम्मान नहीं, बल्कि गुलामी चाहिए। उन्होंने कुशाल को उनके पुराने दिन याद दिलाते हुए कहा कि जब कुशाल खुद बिग बॉस 7 में थे, तब उन्होंने एक्टर अरमान कोहली की उम्र का मजाक उड़ाया था, उस समय उनकी तमीज और बड़ों के लिए इज्जत कहां गई थी?

» **एक्स गर्लफ्रेंड्स की बात पर कसा तंज...** शो में कुशाल ने खुद बताया था कि उनकी पुरानी गर्लफ्रेंड्स उन्हें नार्सिसिस्ट कहती थीं। इस बात पर तंज कसते हुए उर्फी ने कहा कि अगर तुम्हारी सारी एक्स-गर्लफ्रेंड्स तुम्हारे बारे में एक ही बात बोल रही हैं, तो भाई साहब आप सच में वैसे ही इंसान हो।

'दादा' बायोपिक का धमाकेदार फर्स्ट लुक!

गांगुली के रूप में छाए राव, 'शर्टलेस' पल हुआ रिक्रिएट

भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे निडर और आक्रामक कप्तानों में शुमार सौरव गांगुली के फैंस के लिए बुधवार का दिन बेहद खास रहा। 'दादा' के जन्मदिन के खास मौके पर मेकर्स ने उनकी बहुप्रतीक्षित बायोपिक 'दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी' का पहला लुक जारी कर दिया है। इस पोस्टर ने सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, क्योंकि इसमें बॉलीवुड के वर्सेटाइल एक्टर राजकुमार राव, सौरव गांगुली के आइकॉनिक लुक में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में भारतीय क्रिकेट इतिहास के उस ऐतिहासिक और यादगार पल को फिर से जीवंत किया गया है, जिसने हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया था।

पहला लुक भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक को फिर से दिखाता है। राजकुमार लॉर्ड्स की बालकनी से अपनी जर्सी लहराते हुए दिख रहे हैं, जो 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की यादगार नेटवेस्ट ट्रॉफी जीत के बाद गांगुली के मशहूर जश्न की याद दिलाता है। यह तस्वीर उस बदलाव की झलक दिखाती है जो राजकुमार ने भारत के सबसे मशहूर क्रिकेटरों में से एक का किरदार निभाने के लिए किया है। गांगुली का शर्ट लहराकर जश्न मनाने का पल उनके करियर के सबसे खास पलों में से एक है और इसे अक्सर भारतीय क्रिकेट में उनके निडर रवैये के प्रतीक के तौर पर याद किया जाता है। यह बायोपिक क्रिकेट में गांगुली के शुरुआती दिनों से लेकर भारत के सबसे सफल और प्रभावशाली कप्तानों में से एक बनने तक के सफर को दिखाएगी। इसका मकसद उस दृढ़ संकल्प, लीडरशिप और हिम्मत को दिखाना है जिसने भारतीय क्रिकेट को नई शक्ल दी और खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रेरित किया। पोस्टर के साथ, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज़ डेट का भी ऐलान किया। 'दादा - द सौरव गांगुली स्टोरी' 14 मई, 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। पहला लुक शेयर करते हुए राजकुमार राव ने लिखा, हमारे प्यारे दादा को जन्मदिन की बधाई। @souravganguly। क्रिकेटर ने लिखा, अब तक का सबसे अच्छा तोहफ़ा!

सौरव गांगुली की बायोपिक के डायरेक्टर कौन हैं?

विक्रमादित्य मोटवाने द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म को लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। इसे लव फ़िल्म्स के बैनर तले गुलशन कुमार, भूषण कुमार, टी-सीरीज़ और डीबीएल द्वारा पेश किया जा रहा है। यह फ़िल्म 14 मई, 2027 को रिलीज़ होगी।

समीक्षा के दायरे में दिलजीत की फिल्म

जी5 से हटाए जाने के बाद सरकार ने बनाई हाई-लेवल कमेटी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने पंजाब के एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के लापता होने पर आधारित, दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' के कंटेंट की समीक्षा के लिए एक हाई-लेवल इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी बनाई है। यह कदम एमआईबी द्वारा ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 से फिल्म हटाने के निर्देश देने के एक दिन बाद उठाया गया। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई आईटी एक्ट की धारा 69A और आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 2021 के पार्ट III के प्रावधानों के तहत की गई। नाम न बताने की शर्त पर, एमआईबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मामले की समीक्षा अभी आईडीसी कर रही है, जिसे आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 2021 के नियम 14 के तहत बनाया गया है। कमेटी को कंटेंट से जुड़े मामलों पर केंद्र सरकार को अपनी सिफारिशें सौंपने का अधिकार है। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, 'सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने पंजाब के एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के लापता होने की घटना से प्रेरित, दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' के कंटेंट की जांच के लिए एक हाई-लेवल इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी बनाई है। यह कमेटी सोमवार को बनाई गई, जो केंद्र द्वारा ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 को अपने प्लेटफॉर्म से फिल्म हटाने का निर्देश देने के एक दिन बाद हुआ।'

'King 100' में विलेन बनेंगी तब्बू

28 साल बाद फिर साथ दिखेगी नागार्जुन और तब्बू की जोड़ी

भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक, सुपरस्टार नागार्जुन और वर्सेटाइल एक्ट्रेस तब्बू के फैंस के लिए एक बेहद रोमांचक खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब्बू अपनी आगामी फिल्म 'King 100' में नागार्जुन के अपोजिट एक बेहद दमदार और खूंखार विलेन का किरदार निभाने जा रही हैं। इस फिल्म के जरिए यह जादुई जोड़ी पूरे 28 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार है। यह कास्टिंग तब्बू के करियर के लिए एक बहुत बड़ा और अप्रत्याशित बदलाव मानी जा रही है। दशकों से मेनस्ट्रीम सिनेमा और लीक से हटकर बनी दमदार फिल्मों के बीच बेहतरीन संतुलन बनाए रखने वाली तब्बू ने अपने करियर में शायद ही कभी पूरी तरह से एक विलेन का रोल प्ले किया हो। 'King 100' में उनका किरदार फिल्म की मुख्य कहानी और टकराव की रीढ़ बताया जा रहा है, जो लंबे समय से दर्शकों का मनोरंजन कर रही इस सफल फ्रेंचाइजी में एक नया और डार्क मोड़ लेकर आएगा। नागार्जुन और तब्बू के इस रीयूनियन ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी है। दोनों ने पहली बार साल 1996 में आई ब्लॉकबस्टर तेलुगु रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'निन्ने पेल्लाडुथा' में साथ काम किया था, जो कल्ट क्लासिक साबित हुई। इसके बाद यह जोड़ी 'सिसिंद्री' और 'आविडा मा आविडे' जैसी हिट फिल्मों में नजर आई।

अंशुला-रोहन परिणय सूत्र में बंधे, अर्जुन कपूर ने लिखा पोस्ट- माँ हमेशा तुम्हें देख रही हैं...

कपूर खानदान में एक बार फिर शहनाइयों की गूंज सुनाई दी है। अर्जुन कपूर की लाडली बहन अंशूला कपूर और रोहन ठक्कर आधिकारिक तौर पर शादी के बंधन में बंध गए हैं। इस जोड़े ने सोमवार, 6 जुलाई को अपने करीबी परिवारों की मौजूदगी में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए। जयमाला और सिंदूर-दान जैसी रस्मों के बाद दोनों ने कानूनी तौर पर रजिस्टर्ड मैरिज कर अपनी शादी पूरी की। दुल्हन के लिबास में सजी अंशूला की प्यारी मुस्कान उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही थी, तो वहीं दूल्हे राजा रोहन काफी शालीन और शर्मीले अंदाज में नजर आए।

जेलर 2 टीज़र: 15 अक्टूबर को मचेगा तहलका

'मुझे मारकर जी नहीं पाएगा', रजनीकांत की वापसी

लंबे समय के बाद रजनीकांत की 'जेलर 2' का टीजर जारी हो चुका है। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। निर्देशक नेलसन दिलीप की 'जेलर 2' का इंतजार लोग काफी समय से इंतजार कर रही हैं। असल में जेलर 2 सिनेमाघरों में 15 अक्तूबर को दस्तक देने जा रही है। फिल्म मेकर्स ने 'जेलर 2' की रिलीज के साथ फिल्म का टीजर भी रिलीज हो चुका है, जो कि एकदम धांसू है और फैंस भी देखकर दंग रह गए हैं। फिलहला रजनीकांत के किरदार से पर्दा नहीं उठा।

» **'जेलर 2' के टीजर में क्या?** टीजर की शुरुआत वर्मन से होती है, जो कि एक्टर विनायकन ने निभाया है। वह कहते है कि 'मुझे मारकर तू चैन से नहीं जी पाएगा। तुझे पता नहीं है कि मेरे पीछे कितना बड़ा नेटवर्क है। बहुत बड़ा नेटवर्क है। पता भी नहीं चलेगा कौन कहां से आएगा। तेरी जिंदगी के घोड़े खुल जाएंगे।' फिर फिल्म के अलग-अलग किरदारों के चेहरे दिखाए जाते हैं और आखिर में दूर खड़े रजनीकांत की झलक देखने को मिलती है, पर उनका चेहरा नहीं दिखाया गया। तपती सड़क और गरम हवा के बीच वह दूर दूसरे छोर पर खड़े हैं। टीजर देखते ही फैंस झूम उठे और कहने लगे कि जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाएगी।

» **'जेलर 2' में स्टार कास्ट...** 'जेलर 2' में बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन और कमाल हासन का कैमियो है। इस फिल्म में राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विजय सेचुपति और मोहनलाल भी हैं। चर्चा तो यह भी है कि इस फिल्म में ऋतिक रोशन और शाहरुख खान भी नजर आ सकते हैं। वहीं, इस फिल्म में जतिन सरना विलेन के किरदार में है।

» **'जेलर 2' की कहानी क्या होगी?** दरअसल, साल 2023 में फिल्म का पहला पार्ट आ चुका है। अब इसमें एक ऐसे रिटायर्ड जेलर की कहानी दिखाई गई, जिसके पुलिस अफसर बेटे की ड्रग्स समगलर वर्मन को पकड़ने में हत्या कर दी जाती है। वह शहीद हो जाता। फिर वर्मन, जेलर के परिवार को परेशान करने लगता है। जिसके बाद रिटायर्ड जेलप बेटे की मौत का बदला लेने के लिए वर्मन से भिड़ जाता है। 'जेलर'के आखिर में वह वर्मन को मार देता है और अब दूसरे पार्ट यानी जेलर 2 की कहानी वहीं से शुरु होगी।

बॉलीवुड न्यूज

एक्टर मनीष पॉल की मां का दिल्ली में निधन, टीम ने जारी किया बयान

» मनीष पॉल की मां उर्मिल पॉल का दिल्ली में निधन हो गया है। उन्होंने 77 साल की उम्र में अपनी अंतिम सांस ली। इस दुखद खबर की पुष्टि मनीष पॉल की टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी करके की है। हालांकि, अभिनेता की तरफ से अभी तक इस मामले पर कोई निजी बयान सामने नहीं आया है। मनीष पॉल की टीम की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है, हमें बेहद दुख के साथ आपको सूचित करना पड़ रहा है कि अभिनेता मनीष पॉल ने आज दिल्ली में अपनी 77 वर्षीय मां को खो दिया है। इसके साथ ही टीम ने प्रशंसकों से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील करते हुए कहा, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना करें। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। मनीष पॉल अपनी मां के बहुत करीब माने जाते हैं। वह अक्सर मदर्स डे और अपनी मां के जन्मदिन के खास मौकों पर सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर करते रहते थे। मनीष कई बार अपनी बातचीत में यह बात कह चुके हैं कि उनके जीवन और उनके व्यक्तित्व को संवारने में उनकी मां का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

राम कपूर का रियलिटी शो में खुलासा, 'शादी से पहले अफेयर्स, मैं प्लेबॉय था'

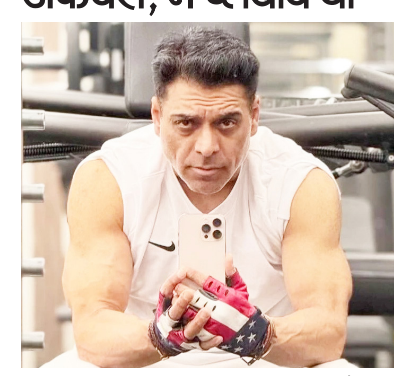

» टेलीविजन इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा अभिनेताओं में से एक राम कपूर इन दिनों रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में अपने बेबाक बयानों को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। शो के हालिया एपिसोड में राम कपूर ने अपनी निजी जिंदगी और अतीत के पन्नों को लेकर एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा किया है, जिसने सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ दी है। 52 वर्षीय अभिनेता ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि एक्ट्रेस गौतमी कपूर से शादी करने से पहले वे एक प्लेबॉय थे और उनके अनगिनत अफेयर्स रहे थे। शो के दौरान अपनी साथी कंटेस्टेंट श्रेया कालरा से बातचीत करते हुए राम कपूर ने अपने पुराने रिश्तों और शादी के बाद आए बदलावों पर खुलकर बात की। जवानी के दिनों में खुद को प्लेबॉय बताते हुए राम ने कहा कि शादी के बाद उनकी ज़िंदगी पूरी तरह बदल गई। राम ने शो में बताया, ठीक है, मैं आपको सच बताता हूँ। जब सबको पता चला कि गौतमी और राम की शादी हो रही है, तो मेरी दोस्त एकता ने गौतमी कपूर को फ़ोन किया और कहा, 'तुम क्या कर रही हो? उसके इतने सारे अफ़ेयर रहे हैं।

'फौजी' के सेट पर हादसा! कीड़े के काटने से राजेश शर्मा गंभीर रूप से बीमार

» साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता प्रभास की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'फौजी' के सेट से एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। हैदराबाद के मशहूर रामोजी फिल्म सिटी में शूटिंग के दौरान कथित तौर पर एक जहरीले कीड़े के काटने से मशहूर अभिनेता राजेश शर्मा की तबीयत अचानक बेहद बिगड़ गई। हालत गंभीर होने के चलते उन्हें कोलकाता के एक निजी अस्पताल के क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में भर्ती कराया गया है, जहां वे फिलहाल डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैदराबाद में फिल्म 'फौजी' की शूटिंग के दौरान राजेश शर्मा को किसी अज्ञात कीड़े ने काट लिया था। शुरुआती तौर पर इसकी गंभीरता को न भांपते हुए वे अपने अगले वर्क कमिटमेंट के सिलसिले में कोलकाता रवाना हो गए। लेकिन कोलकाता पहुंचते ही उनकी सेहत में भारी गिरावट आई और संक्रमण फैलने के कारण उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबर: 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com